

खेल-खेल में पढ़ना-लिखना

श्यामसुंदर दुबे



खेल-खेल में पढ़ना-लिखना

श्यामसुंदर दुबे

ग्रंथकेतन

दिल्ली-110032



खेल-खेल में पढ़ना लिखना

ग्रंथलोक

1/7342, नेहरू मार्ग
ईस्ट गोरख पार्क
शाहदरा, दिल्ली-110032
फोन : 011-22328044

© : लेखक

ISBN : 978-81-88567-68-3

रेखाचित्र : जयकृष्ण पलया

आवरण चित्र : मनोहर काजल

मूल्य : 220.00 रुपये

संस्करण : 2013

शब्द संयोजन : प्रिंस कम्प्यूटर्स, दिल्ली-110094

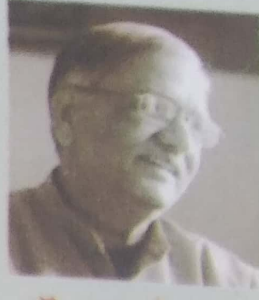
मुद्रक : कॉम्पैक्ट प्रिन्टर्स, नवीन शाहदरा, दिल्ली-110032

KHEL KHEL MEIN PADHANA LIKHANA
Shyam Sunder Dubey



अनुक्रमणिका

भूमिका	5
भाषा-शिक्षण	13
गणित-शिक्षण	43
पर्यावरण-शिक्षण	85



डॉ. श्यामसुंदर दुबे

साहित्यकार एवं शिक्षाविद् डॉ. श्यामसुंदर दुबे का जन्म मध्यप्रदेश के दमोह जिले के बर्तलाई (हटा) ग्राम में 12 दिसम्बर 1944 को हुआ। एम.ए.पी-एच.डी तक शिक्षा प्राप्त करने वाले डॉ. दुबे ने अनेक शासकीय महाविद्यालयों में अध्यापन कार्य किया और स्नातकोत्तर प्राचार्य के पद से सेवा निवृत्त हुए।

डॉ. दुबे को प्राथमिक विद्यालयों से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक के अनेक पाठ्यक्रम निर्माण समितियों में भागीदारी रही है। वे अनेक शिक्षण-प्रशिक्षण योजनाओं में स्रोत व्यक्तित्व के रूप में कार्यरत हैं। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर (म.प्र.) के कुल संसद सदस्य के रूप में भी वे क्रियाशील रहे हैं। डॉ. दुबे की अनेक साहित्यिक रचनायें स्कूली पाठ्यपुस्तकों से लेकर विश्वविद्यालयीन पाठ्य पुस्तकों में संकलित हैं।

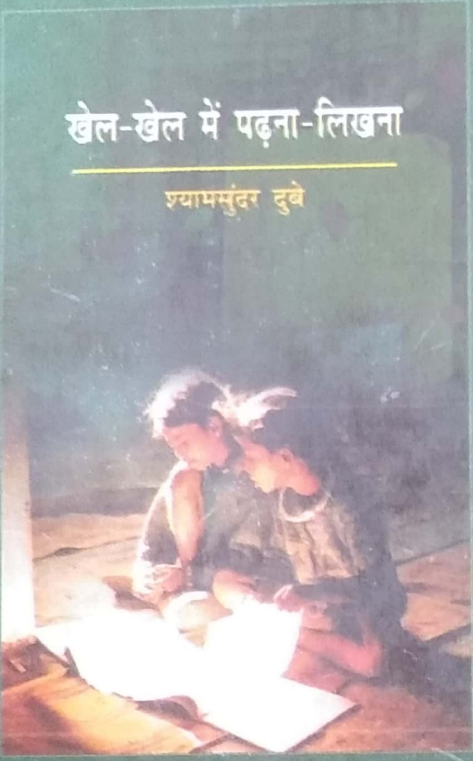
डॉ. श्यामसुन्दर दुबे की गणना देश के प्रख्यात साहित्यकारों में की जाती है। ललित निबंध, कविता, कथा साहित्य, समीक्षा और लोक साहित्य पर डॉ. दुबे की तीस से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हैं। अनेक राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पुरस्कारों-सम्मानों से विभूषित डॉ. दुबे के रचना कर्म पर कई विश्व विद्यालयों में पी-एच.डी. स्तरीय शोधकार्य सम्पन्न हो चुके हैं।

सम्प्रति-निदेशक, मुक्तिबोध सृजन-पीठ,
डॉ. हरीसिंह गौर, केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
सागर (म.प्र.) स्थायी पता-श्री चंडी जी वार्ड,
हटा (दमोह) म.प्र.।

मो. : 9425405939

खेल-खेल में पढ़ना-लिखना

श्यामसुंदर दुबे



ग्रंथकेतन

1/7342, नेहरू मार्ग, ईस्ट गोरखपार्क
शाहदरा, दिल्ली-32

